RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

YOUNGSTER • ESTABLISHED 2004 • NEW DELHI • OCTOBER 2018 • PAGES 8 • PRICE 1/- • MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

धूमधाम से संपन्न हुआ वर्चस्व-2018

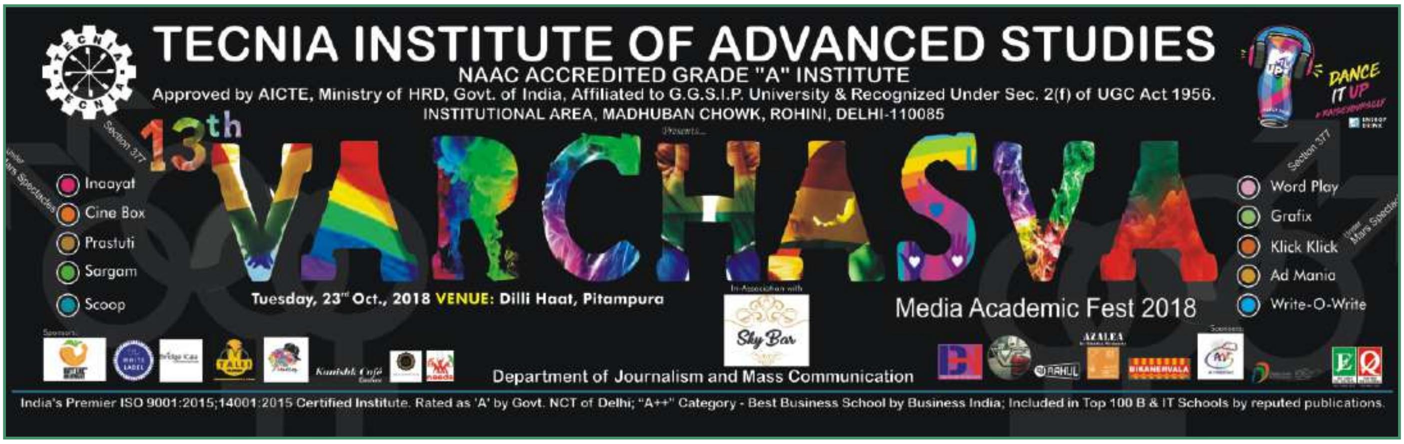

दिल्ली, 23 अक्टूबर, 2018

रोहिणी स्थित टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में दो दिवसीय 13वें वार्षिक मीडिया एकेडमिक मीडिया वर्चस्व–2018 दिल्ली हाट में धूमधाम से संपन्न हुआ। वर्चस्व मीडिया फेस्ट, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज की एक रचनात्मक पहल है जिसमें संस्थान के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र–छात्राएं अपने ज्ञान, अनुभव और कौशल का प्रदर्शन कर सबसे साझा करते हैं। जिस प्रकार पिछले 12 साल से टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ने सफल आयोजन के साथ कुछ अलग करने की परंपरा को कायम रखा है उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी वर्चस्व–2018 ने कुछ अलग अंदाज में जैसे फेसबुक लाइव के साथ नई ऊंचाइयों को छूआ। इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि इसका आयोजन विभाग के ही विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है। इस वर्ष वर्चस्व–2018 का थीम सेक्शन–377 पर आधारित था, जिसके बारे में लोगों को अवगत कराना एक मात्र उद्देश्य था। टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग दो दिवसीय मीडिया एकेडमिक फेस्ट: वर्चस्व–2018 का उद्घाटन और शुभारंभ कल प्रातः नौ बजे

टेक्निया ऑडिटोरियम में डॉ. राम कैलाश गुप्ता, चेयरमैन, टेक्निया ग्रुप द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, और डॉ. निधि गुप्ता, एकेडमिक को–आर्डिनेटर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज तथा वर्चस्व–2018 की संयोजिका शोपिता खुराना भी मंच पर उपस्थित रहें। डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली के छात्र–छात्राओं में प्रतिभा और कला की असीम संभावनाएं हैं, जरूरत इस बात की है कि हम उन्हें एक मंच प्रदान करे और उनकी कला व प्रतिभा को विकास के पथ पर चलने का एक मौका दें। इसके बाद डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज अपने सम्बोधन में कहा कि वर्चस्व–2018 कार्यक्रम अपने दो दिन के कार्यक्रम में कुल 24 प्रकार के ईवेंट्स आयोजित किए गए, जिसमें दिल्ली और एनसीआर के लगभग 40 से अधिक कालेजों के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपने सम्बोधन में छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम के सफलता के साथ संपन्न होने की शुभकामना देते हुए कहा कि यह आपके लिए एक ऐसा मंच है जहां

शेष पृष्ठ 02 पर ....

पृष्ठ 01 का शेष.........

वर्चस्व-2018 की कुछ झलकियां....

आपको एक एक्सपोजर का मौका मिलता है। डॉ. निधि गुप्ता, एकेडमिक को–ऑर्डिनेटर ने अपने सम्बोधन में कार्यक्रम के सफलता की शुभकामना देते हुए बच्चों की तारीफ किया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण के केंद्र में फैशन परेड, ग्रुप डांस, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग, एड–मैड, लाइव रिपोर्टिंग, मोनो एक्टिंग, नुक्कड़ नाटक, मिस्टर एंड मिस वर्चस्व और सेल्फिस्तान आदि रहे। वर्चस्व–2018 कार्यक्रम का इस बार अलग ही अंदाज था जिसमें टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज और अन्य कालेजों के छात्र–छात्राओं ने अपने जलवे बिखेरते हुए अपने मदमस्त आवाज और सुरीले गीतों से उपस्थित युवाओं को झुमने को मजबूर कर दिया। वहीं भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम के उत्साह को दोगुना कर दिया। वर्चस्व–2018 दिल्ली हाट में 23 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दर्शकों और प्रतिभागियों के आने का जो सिलसिला शुरू हुआ वो देर शाम तक चलता रहा। एक दिन पूर्व 22 अक्टूबर को 13 इनडोर प्रतियोगितायें टेक्निया परिसर में आयोजित हुए। वर्चस्व–2018 कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे आर. जे. हंट के जज मिस्टर राहुल माकिन, रंगोली प्रतियोगिता के जज मिस सिफत कौर, पोस्टर प्रतियोगिता के जज संध्या श्रीवास्तवा, जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता के जज तुषार कौशिक (पत्रकार), क्रिएटिव राइटिंग प्रतियोगिता के जज जसलीन, पोएट्री प्रतियोगिता के जज चिराग जैन, सिनेबाक्स – मूवी और सीरीज क्विज प्रतियोगिता के जज मिस्टर साहिल मिश्रा, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के जज मोहित गुप्ता और अजहर खान, मोनो एक्टिंग प्रतियोगिता के जज मिस्टर दीपक शर्मा, फोटोग्राफी प्रतियोगिता के जज मिस श्वेता मल्होत्रा, स्ट्रीट फोटोग्राफर, दिल्ली, सोलो डांस प्रतियोगिता के जज साजिद अली, फैशन परेड प्रतियोगिता के जज मिस मालिका सारना, सोलो सिंगिंग प्रतियोगिता के जज मिस्टर संजय श्रीवास्तव, अदनान और सुधांशु जोशी (संस्थापक, सिंग दिल से) मिस्टर और मिस वर्चस्व प्रतियोगिता के जज मिस सैमी सत्तार और कैलाश चन्द की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इन विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस मौके पर टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के सभी शिक्षक और छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

प्रस्तुतिः-
शम्भू शरण गुप्ता

एडवांसमेंट्स इन आर्टिफिसिएल इंटेलिजेंस रोबोटिक सेल्यूशन फॉर बिजनेस कांफ्रेंस का हुआ आयोजन

कांफ्रेंस में प्रोसिडिंग पुस्तक का लोकार्पण करते हुए (बांए से दाएं) क्रमशः डा. निधि गुप्ता, मुख्य अतिथि प्रो. अमित प्रकाश सिंह, प्रो. हरलीन कौर, डा. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, डा. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ, डा. अनूप गिरधर, ईशान बाजपेयी और डा. विशाल खत्री

माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए डा. अजय कुमार राठौर, डा. हरलीन कौर, फैकल्टी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नालाजी, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय

डा. हरलीन कौर फैकल्टी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नाला जी, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय को सम्मानित करते हुए डा. अजय कुमार राठौर

12 अक्टूबर, 2018 दिल्ली

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली के कंप्यूटर एप्लिकेशन्स विभाग द्वारा एक दिवसीय नेशनल कान्फ्रेंस एडवांसमेंट्स इन आर्टिफिसिएल इंटेलिजेंस रोबोटिक सेल्यूशन फॉर बिजनेस विषय पर आज 12 अक्टूबर 2018 को टेक्निया ऑडिटोरियम, दिल्ली में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अमित प्रकाश सिंह, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आईसीटी, गुरु गोबिन्द सिंहइंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कान्फ्रेंस में विषय के महत्त्व के बारे बताते हुए कहा कि यह कान्फ्रेंस सम–सामयिक विषय के साथ कुछ नवीनता को खोजने की ओर प्रेरित करता है, जो आर्टिफिसिएल इंटेलिजेंस के भविष्य में सहायक होने के साथ बहुस्तरीय अनुसंधान विषय के लिए अनुकरणीय होगी। आज टेक्नॉलॉजी पर हमारी निर्भरता बढ़ती जा रही है, यह कान्फ्रेंस छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य प्रतिभागियों को समृद्ध करने के लिए शोधकर्ताओं,

अकादमिक, उद्योग और सरकार से अपने ज्ञान और उनके काम को साझा करने का एक मंच है। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में क्रमशः डॉ. हरलीन कौर, फैकल्टी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, ने अपनी पीपीटी प्रस्तुत करते हुए बिना ड्राइवर के कार संचालन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि वास्तविक परिस्थितियों में सिद्धांत अथवा अवधारणा के अनुप्रयोग को सक्षम बनाने तथा छात्रों के समझ और निर्णय को समृद्ध करने के लिए इस तरह के कान्फ्रेंस की उपयोगिता सिद्ध होती है। डॉ. अनूप गिरधर, एडिटर–इन–चीफ, साइबर टाइम्स इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नॉलॉजी एंड मैनेजमेंट ने रोबोटिक्स को एल्गोरिथ्म डिजाइन के संबंध के बारे में बताया तथा ईशान बाजपेयी, मुख्याधिकारी, आईटी विभाग, (ईआरपी एंड आईटी), इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने रोबोटिक्स और साइबर सेक्युरिटी के बारे में अपनी बात रखी। ज्ञातव्य है कि कान्फ्रेंस अनुसंधान प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक समाधानों से संबंधित आर्टिफिसिएल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के क्षेत्र में उभरते रुझानों, अवसर और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म है। विभिन्न राष्ट्रीय 13 उच्च शिक्षा और शोध संस्थानों के 19 विद्वानों की सलाहकार समिति द्वारा स्थापित उक्त विषय पर दिल्ली सहित कुल चार प्रदेशों के लगभग 15 कालेजों और विश्वविद्यालयों के 60 शोध पत्रों को स्थान मिला। कांफ्रेंस तीन सत्रों में अलग–अलग

शेष पृष्ठ 04 पर........

टेक्निया इंस्टीटयूट में फिल्म फेस्टिवल का हुआ आयोजन

17 अक्टूबर 2018, दिल्ली।

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी क्लब द्वारा आयोजित एक दिवसीय टेक्निया फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत आज सुबह 11 बजे डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर और डॉ. ए. के. श्रीवास्तव सीईओ, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज और जजेज राम प्रकाश तिवारी, राकेश पांडेय और महेश मिश्रा के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न 15 कॉलेजों के प्रतिभागियों ने अपने–अपने फिल्मों का प्रदर्शन किया वहीं दूसरी और तात्कालिक फिल्म बनाने की कला का प्रदर्शन किया। इस फेस्टिवल के बारे में बताते हुए डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर ने कहा कि टेक्निया फिल्म फेस्टिवल छात्रों, संकाय सदस्यों और प्रोफेशनल फिल्मकारों के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म है। वास्तविक परिस्थितियों में फिल्म निर्माण के सिद्धांत अथवा उसकी अवधारणा के बारे में आप सभी के समझ को बढ़ाने के उद्देश से आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु कॉलेज के प्रतिभागियों ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया व लिंग्याज ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस और आर के फिल्म को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला। टेक्निया फिल्म फेस्टिवल में एंटी रैंगिंग, बाल शिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी जैसे दिल को छू लेने वाले विषयों सहित कुल 15 संस्थानों से आए प्रतिभागियों के 15 फिल्मों को दिखाया गया। टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के छात्रों द्वारा तैयार एंटी रैंगिंग विषय आधारित शॉर्ट फिल्म को देखने के बाद दर्शकों ने खूब तालियां बजाई तो वहीं बाल शिक्षा और बेरोजगारी पर आधारित शॉर्ट फिल्म को दर्शकों को सोचने के लिए मजबूर भी किया। पीएसएम के आधार पर टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के विशाल शौकीन को प्रथम पुरस्कार, विराट भारद्वाज को द्वितीय पुरस्कार तथा अंश दुआ और भावना को तृतीय पुरस्कार दिया गया। टेक्निया फिल्म फेस्टिवल में जज के रूप में आए महेश मिश्रा, आरओ, सीबीएफसी, नई दिल्ली ने कहा कि शॉर्ट फिल्म को बनाने में विषय को ध्यान में रखना महत्त्वपूर्ण होता है। जज राकेश पांडेय, फ्रीलांसर अपने उद्‌बोधन में फिल्म मेकिंग की बारीकियों को बताते हुए कहा कि फिल्म मेकिंग में एक साथ अनेक काम करने पड़ते हैं। जज राम प्रकाश तिवारी, इनपुट हेड लाइव–24 ने फिल्मों को जज करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि फिल्म न सिर्फ मनोरंजन कराता है बल्कि एक उत्प्रेरक का भी काम करता है। लोगों के सोचने–समझने के साथ शोध करने की ओर प्रेरित करता है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष अध्यक्ष संजय श्रीवात्सव जजेज को धन्यवाद देते कहा कि वास्तविक परिस्थितियों में फिल्म निर्माण के सिद्धांत अथवा उसकी अवधारणा के अनुप्रयोग को सक्षम बनाने तथा छात्रों के समझ और निर्णय को समृद्ध करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम की उपयोगिता सिद्ध होती है।

प्रस्तुतिः-
अभिक अरोरा

माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि और डा. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर

विजेता छात्र विशाल को प्रमाण पत्र देते हुए राम प्रकाश तिवारी व अभिक अरोरा

फिल्म फेस्टिवल मे प्रदर्शित फिल्म का एक दृश्य

प्रस्तुतिः-
राहुल मित्तल

पृष्ठ 03 का शेष.........

एडवांसमेंट्स इन आर्टिफिसिएल...

संचालित हुए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. सफदर तनवीर, प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय और दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रवीण गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, जीम्स तथा तीसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. जितेंद्र राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ने किया। इन तीन सत्रों में कुल 21 शोध पत्रों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कांफ्रेंस में डॉ. अमित प्रकाश सिंह, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आईसीटी, गुरु गोबिन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारा किया गया। कांफ्रेंस का उद्‌घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प चढ़ाकर शुरुआत किया गया। कान्फ्रेंस के संयोजक डॉ. विशाल खत्री, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर एप्लिकेशन्स, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली ने सबकों धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मिस. रश्मि इशरावत, एमसीए विभाग ने किया। कांफ्रेंस में एमसीए विभाग के सभी फैकल्टी और छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया।

प्रस्तुतिः-
विशाल खत्री

संपादक की कलम से

परंपरा और आधुनिकता का इतिहास बोध कराती है कला

कला मानव जीवन की प्राण है। कला और कलाकार किसी मुल्क की तहजीबी जिंदगी के आधार होते है, जो वहां के लोगों की सांस्कृतिक भावनाओं की जीती–जागती तस्वीर पेश करते हैं। कला मानव को प्रांजल, सुन्दर तथा व्यवस्थित करती है। कलाकार की मौलिक रचना लम्बे अरसे तक कायम रहती है। कला हमारी धर्म, जमीर व संस्कृति से जुड़ी हुई है, क्योंकि इसका डीएनए हर एक भारतीय के खून में भरा हुआ है। कला भूत तथा भविष्य को जोड़ने के लिए महत्त्वपूर्ण कड़ी का काम करती है। कला के काम सारे देशों में किए जाते हैं और वे बिना मान्यता प्राप्त दूतों के रूप में दुनिया के राष्ट्रों के बीच दोस्ती के संबंधों को मजबूत बनाते हैं। कलाकार हकीकत को नजर–अंदाज किए बिना जीवन को पूर्णरूप से पेश करता है। कला का भी अपना विशिष्ट स्थान है जो जन साधारण से जुडी होती है। यदि हम भारत में स्थित विभिन्न अलग–अलग स्मारकों, महलों, मंदिरों और गुफाओं का अवलोकन करें तो विशेष चीज सामने नजर आती है वह है कला। इन ऐतिहासिक कलाकृतियों में ताजमहल, राधास्वामी मंदिर, भारत का पद्मनाभन और कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता एवं एलोरा की गुफाएं, राजस्थान की महलें, लाल किला और आगरा का किला आदि में देखी जा सकती है। इसके अलावा जन–साधारण, रीति–रिवाज, लोक संस्कृति और लोक परंपरा से जुड़ी इन कलाओं में वर्तमान के साथ इतिहास का सामाजिक जीवन दर्शन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में नए कलाकार इन कलाओं में परंपरागत पुट के साथ में आधुनिकता का भी रंग भरने का बोध करा रहें हैं। अप्रवासी भारतीय चित्रकार सैयद हैदर रजा ने कुछ साल पहले जब पेरिस से एक यात्रा पर भारत आया तो उन्होंने बहुत से अधिक अवसरों पर रेखांकित किया था कि अगर आज कला के क्षेत्र में महत्त्वपुर्ण काम करने वालें पांच देशो की कोई सूची बनाई जाए तो निश्चय ही उसमें भारत का नाम भी शामिल किया जाएगा। भारतीय कलाकार हिम्मत शाह के लाइफ टाइम कलेक्शन स्कल्पचर को लेमन ब्रदर्स ने 10 करोड़ रूपये में खरीदा है और इनकी एक छोटी सी स्कल्पचर की कीमत 10 लाख से 40 लाख रूपये के बीच होती है। जिस भारतीय कलाकृतियों की इतनी ऊंची कीमतें हो तो फिर इस कला क्षेत्र की कुछ प्रसिद्व हस्तियां भी होंगी। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सुखराज प्रजापति मिट्टी की कला के हुनरमंद कलाकार के रूप में जाने जाते हैं। इनकी इस मिट्टी की कला परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए लगभग एक पूरा कुनबा पिछले पचास वर्षों से अधिक समय से लगा हुआ है। वर्तमान में यह कला अपने कलाकारों के साथ समंदर पार इंग्लैंड, जर्मनी और हालैण्ड सहित लगभग दस देशों की यात्रा कर चुका है। इन कलाकारों ने मिट्टी से तैयार कर मूर्तियां न सिर्फ भारतीय संस्कृति को विदेशों तक ले जाने का काम किए बल्कि साथ ही साथ विदेशी मुद्रा भंडार में भी अपना सहयोग कर रहे हैं। इस कला के धनी कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार, राज्य पुरस्कार और राज्य मेरिट पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार सरकार द्वारा दिए जा चुके हैं। अगर इतिहास की बात करें तो इसका इतिहास मिस्र की प्राचीन सभ्यता के काल में मिलता है, क्योंकि मिस्र के पिरामिडों में ये वस्तुएं मिली है। भारत के सन्दर्भ मे मृणमयी मूर्तिकला का इतिहास मोहनजोदड़ों, हड़प्पा और कपिलवस्तु की खुदाई में से विभिन्न दैनिक उपयोग की एवं सजावटी वस्तुएं मिली है। जिससे यह साबित होता है की इस मिट्टी की कला (टेराकोटा) की वस्तुएं भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का एक अंग रहीं हैं। हालांकि इस कला का विषय कुल्ली और झोब के कृषक सांस्कृतिक स्थलों से आया माना जाता है जो दोनों स्थल बलूचिस्तान में है। इस प्रकार टेरकोटा की परंपरा सिन्धु सभ्यता से लेकर हड़प्पा सभ्यता, वैदिक काल, जो सिन्धु युग के बाद माना जाता है, फिर बौद्व काल, प्राक–मौर्य युग, मौर्य युग, मौर्योत्तर युग, कुषाण युग, गुप्त काल तथा पाल युग होते हुए समृद्व हुआ है। हर दिन की नयी सोच और नई जीवन शैली की तुलना में कला को भी बिजनेस सेगमेंट के रूप में नए आइडियाज और इन्नोवेशन के साथ बदलावों की गति को तेज करना होगा। साथ ही तकनीक का इस्तेमाल तेज करना होगा, मीडिया का सहयोग लेते हुए इसे आत्मसात करने पर बल देना होगा। अप्रवासी भारतीयों और सोशल मीडिया का सहयोग इसे वैश्विक स्वरूप भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए भारत सरकार अनेक कला आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

Sankalp Se Siddhi New India Movement

मेक इन इंडिया: द न्यू गेटवे टू गो ग्लोबल नेशनल कान्फ्रेंस का हुआ आयोजन

प्रूसीडिंग का लोकार्पण करते हुए (बांए से दाएं) क्रमशः डा. रोहताश कुमार,मिस पारुल पूरी, मुख्य अतिथि, प्रो. आर. पी. दहिया, पूर्व कुलपति, डा. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, प्रो. एसएस शर्मा, डा. टी. एन. छाबड़ा,प्रो. रश्मि गुजराती, और डा. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी,टेक्निया इंस्टीटयूट ऑफ

कान्फ्रेंस का उद्गाटन करते हु, मुख्य अतिथि प्रो.आर. पी. दहिया, पूर्व कुलपति, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा, डा. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीटयूट आफ ,एडवांस्ड स्टडीज- व अन्य अतिथि

26 अक्टूबर, 2018, दिल्ली।

रोहिणी स्थित टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा मेक इन इंडिया: द न्यू गेटवे टू गो ग्लोबल विषय पर आयोजित एक दिवसीय नेशनल कान्फ्रेंस का उद्घाटन आज पूर्वान्ह 11 बजे टेक्निया ऑडिटोरियम में मुख्य अतिथि प्रो. आर. पी. दहिया, पूर्व कुलपति, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा, डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर और डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। गेस्ट ऑफ हॉनर प्रो. एसएस शर्मा, सेवानिवृत आईएएस अधिकारी, मिस पारुल पूरी, एडवाइजर, (एनआईइएसबीयूडी), डॉ. टी. एन. छाबड़ा, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. रोहताश कुमार, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग मंच पर उपस्थित थे। इस दौरान कांफ्रेंस की प्रूसीडिंग का लोकार्पण प्रो. आर. पी. दहिया, डॉ. टी. एन. छाबड़ा, रश्मि गुजराती, प्रो. एसएस शर्मा, डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मिस पारुल पूरी व डॉ. रोहताश कुमार द्वारा किया गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. आर. पी. दहिया, पूर्व कुलपति, चौधरी देवीलाल विश्वविद्याल, सिरसा और प्रो. टी. एन. छाबड़ा, दिल्ली विश्वविद्यालय को डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर ने गणेश जी प्रतिमा, बुके और मोमेंटो देकर स्वागत किया। डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर को डॉ. रोहताश कुमार ने बुके देकर स्वागत किया. डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी को डॉ. नमिता मिश्रा ने बुके देकर स्वागत किया। प्रो. रश्मि गुजराती को डॉ. निधि गुप्ता, एकेडमिक कोआर्डिनेटर ने बुके देकर स्वागत किया. कांफ्रेंस में 15 संस्थानों व कालेजों के लगभग 50 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रो. आर. के. दहिया ने कहा कि मेक इन इंडिया के साथ हम सभी को जुड़ना चाहिए। इस विषय पर आयोजित अधिक से अधिक सेमिनार और कान्फ्रेंस में प्रतिभाग करते हुए विद्वानों के विचारों को सुनना चाहिए। टेक्निया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डॉ. राम कैलाश गुप्ता ने मेक इन इंडिया: द न्यू गेटवे टू गो ग्लोबल विषय के बारे में कहा कि प्रबंधन विषय के छात्र–छात्राएं, शिक्षक और कारपोरेट सेक्टर से जुड़े लोग अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर समाज को एक दिशा देते हुए राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बन सकते हैं। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ए. के. श्रीवास्तव ने कहा कि यह कान्फ्रेंस छात्रों, संकाय सदस्यों और कार्पोरेट प्रतिभागियों को अपने ज्ञान और विषय को राष्ट्रीय स्तर पर साझा करने का एक मंच है। आज प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से उद्योग के कुछ नए व्यवसायिक क्षेत्र सृजित हो रहे हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उत्पाद निर्मित करने में सक्षम हैं। परिणामस्वरूप रोजगार और उद्योग के नए अवसरों का सृजन दिखाई दे रहा है। वास्तविक परिस्थितियों में सिद्धांत और उसके अनुप्रयोग को एक दिशा देने में इस कान्फ्रेंस की उपयोगिता सिद्ध हो सकती है। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार राठौर कांफ्रेंस के बारे में बताते हुए कहा कि यह कांफ्रेंस रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को एक अवसर के रूप में देखने और आने वाले चुनौतियों के समाधान में एक दिशा प्रदान कर सकता है। इस अवसर पर मिस पारुल पूरी,एडवाइजर, (एनआईइएसबीयूडी) ने मेक इन इंडिया को एक कहानी के साथ जोड़ते हुए इसके महत्त्व को बताया। डॉ. टी. एन. छाबड़ा, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि मेक इन इंडिया अलग–अलग विषयों के साथ जोड़ते हुए समाज को एक नई दिशा दी जा सकती है। प्रो. रश्मि गुजराती ने कहा कि हमारा दिमाग मोबाईल की तरह काम करता है। हमें इसे मेक इन इंडिया के लिए इस्तेमाल करने की जरुरत है।

ज्ञातव्य है कि मेक इन इंडिया योजना को देश में युवाओं को नौकरी और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 25 सितंबर 2014 को शुरू किया था। इस योजना के शुरू होने के बाद से भारत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के मामले में विश्व स्तर पर शीर्ष देश के रूप में सामने आया है। आज न सिर्फ देश ही बल्कि कई राज्यों ने अपने खुद की मेक इन इंडिया पहल को एक नई दिशा दी। गुजरात ने वाइब्रेट गुजरात और हरियाणा ने हैप्पीनिंग हरियाणा और महाराष्ट्र ने मैग्नेटिक महाराष्ट्र के नाम से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित किया है। भारत ने वित्तीय वर्ष 2016–17 में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 60 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को प्राप्त कर लिया था। इसके जरिए भारत अपने अन्य योजनाओं को सक्षम बनाने में सफलता अर्जित कर रहा है। ऑटोमोबाइल, ऑटो घटक, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, निर्माण, विद्युतीय मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी और बीपीएम, चमड़ा, मीडिया और मनोरंजन, खनन, तेल और गैस, फार्मास्यूटिकल्स, बंदरगाहों, नवीकरणीय ऊर्जा, राजमार्ग, पर्यटन और आतिथ्य कल्याण जैसे पच्चीस क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से जुड़े हैं। इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विभाग के सभी शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

प्रस्तुतिः-
रोहताश कुमार

केस फोलियो प्रतियोगिता

केस फोलियो कार्यक्रम मे टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली के उद्यमिता विकास प्रभाग द्वारा 29 सितंबर 2018 को टेक्निया मल्टीपरपज हाल में आयोजित केस फोलियो प्रतियोगिता में डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, ने प्रथम स्थान प्राप्त श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अनु जैन, आशिमा और सीरिश की टीम को मेडल, प्रमाण पत्र और रूपये 5100/ नकद पुरस्कार प्रदान किया। द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के एशा महमूद और आकर्ष श्रीवास्तव को मेडल, प्रमाण पत्र और रूपये 3100/ नकद पुरस्कार और शुभम गुप्ता व साहिल मनोचा की जोड़ी को मेडल, प्रमाण पत्र और रूपये 2100–नकद

माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष प्रतिभागी छात्र द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए

विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते हुए डा. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज,व अन्य अध्यापिकाएं

पुरस्कार प्रदान किया। इसके अलावा डायरेक्टर ने विभिन्न चार महिला टीम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया। डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ, डॉ. नमिता मिश्रा और डॉ. सचिन

शेष पृष्ठ 08 पर ....

THIS MONTH

October 3, 1932 - Iraq gained independence from Britain and joined the League of Nations.

*****

October 4, 1943 - The Island of Corsica became the first French territory in Europe freed from Nazi control as Free French troops liberated the city of Bastia.

*****

October 4, 1957 - The Space Age began as the Russians launched the first satellite into orbit. Sputnik I weighed just 184 lbs. and transmitted a beeping radio signal for 21 days. The remarkable accomplishment by Soviet Russia sent a shockwave through the American political leadership resulting in U.S. efforts to be the first on the moon

*****

October 4, 1965 - Pope Paul VI became the first Pope to visit the U.S. and the first to address the United Nations.

*****

October 4, 1993 - Russian tank-soldiers loyal to President Boris Yeltsin shelled the Russian White House, crushing a hard-line Communist rebellion. Yeltsin then fired Vice-president Alexander Rutskoi and jailed other opposition leaders.

*****

October 5, 1910 - Portugal became a republic following a successful revolt against King Manuel II.

*****

October 5, 1938 - Czech President Dr. Eduard Benes resigned and fled abroad amid threats from Adolf Hitler.

Compilation: Honey Shah

BASICS OF MEDIA

Camcorder: A portable camera with the videotape recorder or some other recording device attached or built into it to form a single unit.

*****

Control Room :A room adjacent to the studio in which the director, the technical director, the audio engineer, and sometimes the lighting director perform their various production functions.

*****

Electronic field production (EFP): Television production outside the studio that is usually shot for post production (not live). Usually called field production.

*****

House Number: The in-house system of identification for each piece of recorded program material. Called the house number because the code numbers differ from station to station (house to house).

*****

Tapeless System: Refers to the recording, storage, and playback of audio and video information via computer storage devices rather than videotape.

*****

Camera Chain : The television camera (head) and associated electronic equipment, including the camera control unit, sync generator, and power supply.

Compilation: Rahul Mittal

पृष्ठ ०7 का शेष.........

- श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छात्रों ने प्रथम स्थान पर किया कब्जा
- आरडीआईएएस के छात्रों का द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहा कब्जा

सबरवाल टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज प्रतियोगिता में जजेज के रूप में थे। प्रतियोगिता के जज डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ने कहा कि केस फोलियो प्रतियोगिता 2018 छात्रों को केस स्टडी जैसे विशिष्ट विषय पर अपने कौशल और पक्ष को मजबूती के साथ रखने का सबसे बड़ा मंच है। जज डॉ. नमिता मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत सहायक है। जज डॉ. सचिन सबरवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सामूहिक विकास के लिए बहुत प्रभावशाली होते हैं। कार्यक्रम के संयोजक मिस रजनी बंसल और सह संयोजक मिस किर्ति मिगलानी ने कार्यक्रम के महत्त्व के बारे में संयुक्त रूप से कहा कि आज केस स्टडीज बिजनेस एजुकेशन पाठ्यक्रम और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण का एक आंतरिक हिस्सा बन चुका है। वास्तविक परिस्थितियों में सिद्धांत अथवा अवधारणा के अनुप्रयोग को सक्षम बनाने तथा छात्रों के समझ और निर्णय को समृद्ध करने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की उपयोगिता सिद्ध होती है। केस फोलियो प्रतिस्पर्धा छात्रों को उनके ज्ञान, विचार और विश्लेष्णात्मक क्षमताओं को दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करती है। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि मिस्टर अवनीश कुमार, एजीएम, सेल्स एवं मार्केटिंग, टाइम्स ऑफ एजुकेशन, डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ और डॉ. अजय प्रताप सिंह, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीईओ, और डॉ. अजय प्रताप सिंह, टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से गणेश जी प्रतिमा और बुके देकर किया गया. डॉ. अजय कुमार राठौर, डायरेक्टर का स्वागत कार्यक्रम संयोजक मिस रजनी बंसल और डॉ. अजय प्रताप सिंह का स्वागत सह संयोजक मिस कीर्ति मिगलानी ने बुके देकर किया। इस केस फोलियो प्रतियोगिता में कुल 125 प्रतिभागियों द्वारा अपना केस स्टडी प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों का कहना था कि यह कार्यक्रम हमें सीखने के लिए बहुत सहायक है और हमें एक मार्ग प्रदान करता है जिसके द्वारा हम आगे बढ़ सकते हैं। एक अच्छा अनुभव प्रदान करता है। केस फोलियो प्रतियोगिता कार्यक्रम में टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के विद्यार्थियों में पाखी श्रीवास्तव, अंकिता गर्ग, पीयूष लोढ़ा, वैभव गुप्ता, रोहण शर्मा, मुस्कान कालरा, उत्कर्ष त्रिपाठी, जिज्ञासा, सिमरन, नेहा, नितीश और जतिन ने अपना सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रस्तुतिः-
शम्भू शरण गुप्ता

Aaj -Tak Visit

Vol. 14 **No.** 10
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, responsible for selection of News under PRB Act. All rights reserved.

IMPORTANT QUOTES

"I do not consider it an insult, but rather a compliment to be called an agnostic. I do not pretend to know where many ignorant men are sure -- that is all that agnosticism means."

- Clarence Darrow

*****

"Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal."

- Henry Ford

*****

"I'll sleep when I'm dead."

- Warren Zevon

*****

"There are people in the world so hungry, that God cannot appear to them except in the form of bread."

- Mahatma Gandhi

*****

Compilation: Sanjay Srivastava

WINNERS v/s LOOSERS Part-84

The Winner always has a program;
the Loser always has an excuse

*****

Winners have dreams;
losers have schemes.

*****

Winners are a part of the team;
Losers are apart from the team.

*****

Winners see the gain;
losers see pain.

*****

Winners are like a thermostat;
losers are like thermometers.

*****

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **youngstertias@gmail.com**